चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 7.10.21 | 5 | 2-5 |

### एचएयू के वैज्ञानिकों ने अधिक उत्पादन देने वाले और रोगरोधी लाखों पौधे किए तैयार

# टिश्यू कल्चर विधि से पौधे के छोटे से भाग से 6 माह में तैयार कर सकते हैं 50 हजार से अधिक पौधे

- अब तक करीब पांच लाख पौधे किसानों को मुहैया करवाए

महबूब अली | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के आणविक जीवविज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विभाग में विशेष प्रकार की प्रयोगशाला स्थापित की गई है। इसमें टिश्यू कल्चर विधि द्वारा विभिन्न प्रकार के पौधों का उत्पादन किया जा रहा है। खास बात यह है कि टिश्यू कल्चर विधि से उन पौधों का उत्पादन किया जा रहा रहा है, जिन पौधों में या तो बीज नहीं बनते या फिर बीज का उत्पादन कम होता है। एक पौधे के छोटे से भाग से करीब 6 माह में 50 हजार से अधिक रोगरोधी पौधे तैयार किए सकते हैं। लाखों किसानों को अब तक पौधों का वितरण किया जा चुका है।

खासियत यह है कि इस विधि से बिना सीजन के भी पौधे उगाए जा सकते हैं। एचएयू के विभिन्न विभागों का जायजा लेने के लिए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय पहुंचे तो उन्होंने भी टिश्यू कल्चर विधि से तैयार पौधों और पौधों को तैयार करने वाली टीम की सराहना की।

हिसार के एचएयू में स्थापित टिश्यू कल्चर विधि से तैयार किए पौधों को देखते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज।

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बताया कि टिश्यू कल्चर विधि में पौधों के एक छोटे से भाग से बहुत ही कम समय में रोग रहित हजारों पौधों का उत्पादन किया जाता जा सकता है। इस समय विभाग गन्ने के अलावा एलोविरा और अन्य औषधीय के रोग रहित पौधे सस्ती दरों पर किसानों को उपलब्ध करा रह है। निकट भविष्य में गन्ने, गुलदावरी, केले तथा अन्य फूलों और फलों के पौधे भी किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। इस विधि से तैयार पौधे न सिर्फ रोग रहित होते है, बल्कि अनुवांशिक रूप से भी स्थिर होते है।

इस तरह हम किसी भी अच्छी प्रजाति के पौधे को न केवल बचा सकते हैं साथ ही सीमित समय में उसके हजारों पौधे भी बनाए जा सकते हैं। अभी तक गन्ना, केला व अन्य औषधीय पौधों के करीब 5 लाख पौधे किसानों को मुहैया करवाए जा चुके हैं।

## यह है टिश्यू कल्चर विधि

एचएयू के विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि किसी भी पौधे की पत्ती, तना या जड़ का छोटा सा टूकड़ा लेकर उसको किसी कांच की बोतल के अंदर रखकर विभिन्न हार्मोनों के प्रभाव द्वारा पौधे तैयार किए जाते हैं। इन्हें शुरुआत में बोतल के अंदर रखा जाता है, उसके बाद पॉलीहाउस और अंत में फील्ड में लगाया जाता है। इस विधि के माध्यम से बिना सीजन के पौधों का भी उत्पादन किया जा सकता है।

## किसानों को मिलेगा लाभ

*टिश्यू कल्चर विधि से किसानों को अभी तक गन्ना, केला व अन्य औषधीय पौधों के करीब पांच लाख पौधे मुहैया करवाए जा चुके हैं। भविष्य में गुदाउदी, केले व अन्य फूलों व फलों के पौधे किसानों को किफायती दरों पर मुहैया करवाए जाएंगे।*

**- प्रोफेसर बी.आर.-काम्बोज,** कुलपति, एचएयू हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
. लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर, अमर उजाला | 7.10.21 | 2, 4 | 5, 1-2 |

## सायना नेहवाल संस्थान में चलाया अभियान

हिसार | एचएयू के विस्तार शिक्षा निदेशालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने सभी को जागरूक किया।

## सायना नेहवाल परिसर में चलाया सफाई अभियान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के विस्तार शिक्षा निदेशालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में बुधवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में संस्थान के कर्मचारियों, डेयरी फार्मिंग व मशरूम उत्पादन तकनीक का प्रशिक्षण हासिल कर रहे प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत संस्थान व किसान आश्रम के परिसर की सफाई की गई। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
| --- | --- | --- | --- |
| अजीत समाचार | 7.10.21 | 5 | 5.7 |

# एचएयू के सायना नेहवाल संस्थान परिसर में चलाया सफाई अभियान

हिसार, 6 अक्तूबर (राजकुमार शर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के विस्तार शिक्षा निदेशालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में संस्थान के कर्मचारियों, डेयरी फार्मिंग व मशरूम उत्पादन तकनीक का प्रशिक्षण हासिल कर रहे प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'स्वच्छ भारत अभियान' की जरूरत और इसके लाभों के बारे में सभी को जागरूक किया। इस अभियान के तहत परिसर व आसपास की सफाई की गई। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सह-निदेशक ने कहा कि हमें अपने घरों के आसपास व सार्वजनिक स्थानों की सफाई करते हुए स्वच्छत रखना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| समस्त हरियाणा | 7.10.21 | — | — |

# एचएयू के सायना नेहवाल संस्थान परिसर में चलाया गया सफाई अभियान

**समस्त हरियाणा न्यूज**

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के विस्तार शिक्षा निदेशालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण

संस्थान स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में संस्थान के कर्मचारियों, डेयरी फार्मिंग व मशरूम उत्पादन तकनीक का प्रशिक्षण हासिल कर रहे प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'स्वच्छ भारत अभियान' की जरूरत और इसके लाभों के बारे में सभी को जागरूक किया। इस स्वच्छता अभियान के अंतर्गत संस्थान व किसान आश्रम के परिसर और आस-पास की जगह की सफ़ाई की गई। इस अभियान के तहत परिसर व आसपास की सफाई की गई। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सह-निदेशक ने कहा कि हमें अपने घरों के आसपास व सार्वजनिक स्थानों की सफाई करते हुए स्वच्छत रखना चाहिए। इसके लिए अन्य लोगों को भी प्रेरित करना चाहिए।